sunday pioneer

LUCKNOW, SUNDAY FEBRUARY 18, 2018;

# Singh asks students to lead by character & integrity

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Former Director General of Police (DGP), UP and pro-Chancellor of Noida International University Vikram Singh said that the pain, sacrifice and effort can never be out of fashion. He was relating it to the student community and exhorted the students to shy away from 'mediocrity' which is a sin. He was speaking as the guest of honour in the inaugural function of two-day international conference on 'Alchemy of Leadership for Innovation and Sustainability' at the Khushipur campus of School of Management Sciences (SMS) here on Saturday.

He asked the students to lead by character and integrity. For the same, he said, we need mental, spiritual and physical dexterity. The chief guest of the function Prof Parimal H Vyas (Vice-Chancellor, Maharaja Sayajirao University, Baroda) said that technology has changed the way we think. Technology is the precursor to innovation and hence sustainability, though broadly! Technology has become a way of life in fact. Leadership is the key to all these, he added putting trust and transparency as important ingredients of leadership.

Distinguished guest Prof BP Singh (former Dean, Delhi School of Economics) said that innovation is an economic phenomenon and spiritual and social as well. India can win only if continuous innovations occur. In his presidential address, Prof Geshe N Samten (Vice-Chancellor-Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath) said that we all must have an appreciative

Ex-DGP Vikram Singh addressing a seminar at SMS in Varanasi on Saturday Pioneer

possess not only the Intelligence Quotient (IQ) but also 'Spiritual Quotient' (SQ), he added. In fact, good leadership is the essence of innovation, commented Prof Samten.

Earlier, the guests were welcomed by the SMS Director Prof PN Jha who at the end of the inaugural ceremony honoured them with shawl and ICON mementos. The conference theme was read out by Prof RK Singh, while the vote of thanks was given by Prof Kamal Sheel Mishra (both ICON conveners). On this occasion, ICON souvenir, carrying more than 200 abstracts of research papers was released by the guests in addition to the latest issues of newsletter SMS News, journals Purushartha and SMSJEI. The inaugural session was anchored by Dr Pallavi Pathak. On the occasion, amongst other academic dignitaries, prominent presence included that of Prof Pramod Pathak (IIT-ISM Dhanbad), Brenda Roberts Prof Alok Kumar, Dean (DSA) Prof Sandeep Singh were also present beside the executive secretary Dr MP Singh.

पायनियर

लखनऊ, रविवार, 18 फरवरी, 2018

# नवप्रवर्तन एवं निरंतरता के लिए नेतृत्व पर आवश्यक : प्रो. व्यास

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

स्कूल आफ मैनेजमेनण्ट साइंसेस ;एसएमएसद्ध की ओर से एलकेमी आफ लीडरशिप फॉर इनोवेशन एण्ड सस्टेनेब्लिटीष् विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ महाराज सैयाजीराव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोण् परिमल एच व्यास ने किया। कार्यक्रम को समबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नवप्रवर्तन में तकनीक की अहम भूमिक है। इस तकनीक ने सोच को दिशा प्रदान कर जीवन को आधार दिया है। उन्होंने कहा कि कुशल नेतृत्व के लिए विश्वसनियता एवं पारदर्शिता दो महत्वपूर्ण अंग हैं। हमें अपने देश में प्रेरणादायी संस्कृति को अपनाने की आवश्यकता है जिससे नवप्रवर्तन तथा निरंतरता बनी रहे। विशिष्ट अतिथि प्रोण् बीपी सिंह ने कहा कि नवप्रवर्तन एक आर्थिक एवं सामाजिक संवृति है। निरंतरता के लिए भारत को सदैव नवप्रवर्तन करने की आवश्यकता है। अन्य विशिष्ट अतिथि प्रोण् विक्रम सिंह ने कहा कि उत्कृष्टता की ओर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कुलपति प्रोण् गेशे एन सामतेन ने कहा कि निरंतरता के लिए प्रगति का रोजाना आंकलना जरूरी है। आगत अतिथियों का स्वागत प्रोण् पीएन झा ने किया व धन्यवाद ज्ञापन प्रोण् आरके सिंह ने किया।

दैनिक जागरण

रविवार, 18 फरवरी, 2018 :

# युग नवप्रवर्तन में तकनीक की भूमिका अहम

**वाराणसी** : एसएमएस वाराणसी में 'एलकेमी आफ लीडरशिप एंड सस्टेनेबिलिटी' विषयक दो दिनी सम्मेलन का उद्घाटन शनिवार को किया गया। मुख्य अतिथि महाराजा सैयाजीराव विवि, बड़ौदा के वीसी प्रो. परिमल एच व्यास ने कहा कि युग के नवप्रवर्तन में तकनीक की अहम भूमिका है। तकनीक ने हमारी सोच का दिशा प्रदान की है। विशिष्ट अतिथि प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि नवप्रवर्तन एक आर्थिक, आध्यात्मिक व सामाजिक संवृत्ति है। अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कुलपति प्रो. गेशे एन सामतेन, मुख्य वक्ता सेंटर फार लिविंग इन हारमोनी यूएसए के सीईओ ब्रेन्डा राबर्टस रहे। प्रो. सुनीता रानी, प्रो. बिजान मिश्रा, वी कृष्ण कुमार, प्रो. प्रमोद पाठक, डा. हेमंत गुप्ता, प्रो. एसवीएस राजू, प्रो. राकेश सिंह, प्रो. जेबी कुमरईया, डा. आरएस सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए। स्वागत संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने किया।

दैनिक जागरण

inext

Varanasi, 18 February 2018

# नवप्रवर्तन में तकनीक का अहम रोल

**VARANASI (17 Feb):** स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस, वाराणसी की ओर से आयोजित एलकेमी ऑफ लीडरशिप फॉर इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषयक दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार का शनिवार को इनॉगरेशन हुआ. चीफ गेस्ट महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी, बड़ौदा के वीसी प्रो. परिमल एच व्यास ने कहा कि आज के युग में नवप्रवर्तन में तकनीक की अहम भूमिका है. इस तकनीक ने हमारी सोच को दिशा प्रदान कर हमारे जीवन का आधार तय कर दिया है. विशिष्ट अतिथि दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स के एक्स हेड व डीन प्रो. बीपी सिंह, प्रो चांसलर, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो. विक्रम सिंह ने भी विचार व्यक्त किया. अध्यक्षता केंद्रीय उच्च तिब्बती संस्थान के वीसी प्रो. गेशे एन समतेन ने किया. एसएमएस के डायरेक्टर प्रो. पीएन झा ने अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम देकर किया. प्रो. आरके सिंह ने विषय स्थापना, प्रो. कमलशील मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन एवं संचालन डॉ. पल्लवी पाठक ने किया. इस अवसर पर स्मारिका, एसएमएस जर्नल ऑफ आंथ्रप्रिन्यूअरशिप एंड इनोवेशन, पुरूषार्थ व न्यूजलेटर एसएमएस न्यूज के नवीनतम अंकों का लोकार्पण भी हुआ. कैलीफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए, क्लैफलीन यूनिवर्सिटी यूएसए के अलावा पीएचडी चेंबर, यूपिया, क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया एवं वाराणसी मैनेजमेंट एसोसिएशन सेमिनार की सहयोगी हैं.

हिन्दुस्तान
वाराणसी • रविवार • 18 फरवरी 2018

'एसएमएस में एकडेमी ऑफ लीडरशीप फॉर इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' विषयक सेमिनार आयोजित

# तकनीक ने बदली सोच, तय किया जीवन का आधार

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट सांइसेज में शनिवार को आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में जर्नल का लोकार्पण करते अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

महाराजा सैयाजी राव विश्वविद्यालय (बड़ौदा) के कुलपति प्रो. परिमल एच व्यास ने कहा है कि नवप्रवर्तन में तकनीक की अहम भूमिका है। तकनीक ने हमारी सोच को दिशा प्रदान कर जीवन का आधार तय कर दिया है। वे शनिवार को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट सांइसेज (एसएमएस) में 'एकडेमी ऑफ लीडरशीप फॉर इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' विषयक दो दिवसीय सेमिनार को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

विशिष्ट अतिथि और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो.बीपी सिंह ने कहा कि निरंतरता के लिए सदैव नवप्रवर्तन करते रहने की आवश्यकता है। एक अन्य विशिष्ट अतिथि और नोएडा स्थित अंतरराष्ट्रीय विवि के प्रो.चासंलर विक्रम सिंह ने कहा कि उत्कृष्टता की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, मध्यमता आज के युग में पाप के समान है। अध्यक्षीय संबोधन में केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (सारनाथ) के कुलपति प्रो.गेशे एन सामतेन ने कहा कि नेतृत्व में 'इंटैलीजेंस कोशेन्ट' एवं 'इमोशनल कोशेन्ट' के समावेश से आता है। संस्थान के निदेशक प्रो.पीएन झा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ.पल्लवी पाठक ने किया। अतिथियों ने जर्नल और न्यूज लेटर का विमोचन किया।

अमर उजाला

रविवार, 18 फरवरी 2018

# नवप्रवर्तन में तकनीक संग संस्कृति का हो समावेश

**वाराणसी।** स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) की ओर से शनिवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एलकेमी ऑफ लीडरशिप फॉर इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाराजा सयाजीराव विवि बड़ौदा के कुलपति प्रो. परिमल एच व्यास ने कहा कि नवप्रवर्तन में तकनीकी के साथ संस्कृति की अहम भूमिका है। विशिष्ट अतिथि दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के संकाय प्रमुख प्रो. बीपी सिंह ने कहा कि देश के विकास के लिए जरूरी है कि हम नवप्रवर्तन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़े। केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के वीसी प्रो. गेशे एन सामतेन ने कहा कि नेतृत्व के लिए इंटेलीजेंस कोशेंट और इमोशनल कोशेंट दोनों जरूरी है। एसएमएस जर्नल ऑफ आंत्रप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन, पुरुषार्थ और एसएमएस न्यूज का विमोचन किया गया। संचालन डॉ. पल्लवी पाठक ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में 250 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। *ब्यूरो*

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, रविवार, 18 फरवरी, 2018

# निरंतरता के लिए नेतृत्व आवश्यक

**बोले प्रो. व्यास**

## एसएमएस में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

**वाराणसी।** स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइन्सेस (एसएमएस) की ओर से आयोजित एलकेमी ऑफ लीडरशिप फॉर इनोवेशन एण्ड सस्टेनेबिलिटी विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के कुलपति प्रो. परिमल व्यास ने कहा कि आज के युग में नवप्रवर्तन में तकनीक की अहम् भूमिका है।

कुशल नेतृत्व के लिए विश्वसनीयता व पारदर्शिता दो महत्वपूर्ण अंग हैं। हमें अपने देश में प्रेरणादायी संस्कृति को अपनाने की आवश्यकता है जिससे नवप्रवर्तन व निरंतता बनी रहे। अध्यक्षीय संबोधन में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कुलपति प्रो. गेशे एन सामतेन ने कहा कि निरंतरता के लिए हमें अपने प्रगति का रोजना आंकलन करना चाहिए। दूसरों के किये गये अच्छे कार्यों की सराहना करनी चाहिए।

संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने स्वागत व उद्घाटन सत्र में विषय वस्तु प्रो. आरके सिंह व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. कमलशील मिश्र ने दिया। जबकि उद्घाटन सत्र का संचालन डा. पल्लवी पाठक ने किया।